<u>अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली</u>
<u>निदेशक कार्यालय</u>

फा.सं.40-30/2025-स्था.I 21.08.2025

विषय: <u>मिशन कर्मयोगी हेतु प्रत्येक विभाग से दो मास्टर प्रशिक्षकों को नामित करने के अनुरोध संबंधी।</u>

प्रिय साथियों,

मिशन कर्मयोगी, राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम (एनपीसीएससीबी) है जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों की व्यक्तिगत एवं संस्थागत क्षमता को बढ़ाना है। इस मिशन का उद्देश्य आईजीओटी (एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निरंतर शिक्षण के माध्यम से दक्षता निर्माण, सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाना तथा "नागरिक-केंद्रित" दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम को सभी कर्मचारियों के लिए एक **प्रशिक्षण कैस्केड मॉडल के रूप में लागू करने की योजना है, जिसमें**:

1. **प्रमुख प्रशिक्षकों** को केंद्रीय नोडल एजेंसियों द्वारा सीधे प्रशिक्षित किया जाता है और वे *विशेषज्ञ* के रूप में कार्य करते हैं।
2. **मास्टर प्रशिक्षकों** को प्रमुख प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है और वे *समन्वयक तथा ज्ञान प्रसारक* के रूप में कार्य करते हैं।
3. **कर्मचारियों (अंतिम प्रतिभागियों)** को समय-समय पर विभागीय सत्रों में मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है और वे *लाभार्थी एवं कार्यान्वयनकर्ता* के रूप में कार्य करते हैं।

इस कई स्तरों वाले प्रशिक्षण ढांचे के माध्यम से, कर्मचारी:

- केवल पदों के बजाय अपनी **भूमिकाओं** से संबंधित दक्षताओं का निर्माण करेंगे।
- **सेवा भाव, दक्षता, नवाचार एवं सहयोग** की मानसिकता विकसित करेंगे।
- ज्ञान प्राप्ति हेतु आजीवन डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाएंगे।
- मूलभूत रूप से मिशन कर्मयोगी के विजन के अनुरूप रोगी चिकित्सा, अनुसंधान एवं प्रशासनिक दक्षता की गुणवत्ता में वृद्धि करेंगे।

मास्टर प्रशिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि वे एम्स और उसके बाहर राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के समन्वयक होंगे, और यह सुनिश्चित करेंगे कि आजीवन शिक्षण, दक्षता तथा सेवा भाव की भावना सभी अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुँचे। एम्स में इन प्रशिक्षणों को प्रदान करने में सभी विभागों की समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, सभी विभागों से अनुरोध है कि वे अपने विभाग से कम से कम दो संकाय-सदस्यों को इस कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 'मास्टर प्रशिक्षक' के रूप में नामित करें।

नामांकित मास्टर प्रशिक्षकों में उत्साह, सेवा उन्मुखता, उत्तम संवाद कौशल, बुनियादी डिजिटल साक्षरता (आईजीओटी ऐप नेविगेशन), शारीरिक फिटनेस एवं प्रतिबद्धता होनी चाहिए ताकि अंतिम प्रतिभागियों के लिए एक दिवसीय राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम को आगे बढ़ा सकें। उन्हें अपना लैपटॉप और स्मार्ट फोन अपने साथ लाना होगा और एम्स, नई दिल्ली में मास्टर प्रशिक्षकों के लिए पूरे 3-दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेना होगा। कृपया अपने नामांकन प्रशासनिक अधिकारी (संकाय प्रकोष्ठ) को ई-ऑफिस द्वारा सोमवार, 25 अगस्त 2025 तक भेज दें।

प्रो. एम. श्रीनिवास
निदेशक

वितरण (इसे अपने नियंत्रणाधीन अधिकारियों/स्टाफ-सदस्यों को भी परिचालित करने के अनुरोध सहित)

1. संकायाध्यक्ष (शैक्षिक, अनुसंधान, परीक्षा)
2. अपर निदेशक (प्रशासन)
3. चिकित्सा अधीक्षक (एम्स)
4. सभी केंद्र प्रमुखगण/अध्यक्ष, एनसीआई झज्जर
5. सभी विभागाध्यक्षगण
6. वरिष्ठ वित्त सलाहकार
7. प्रभारी आचार्य, कंप्यूटर सुविधा (इसे एम्स की वेबसाइट पर अपलोड करने के अनुरोध सहित)

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, NEW DELHI
OFFICE OF DIRECTOR

F. No. 40-30/2025-Estt.I 21.08.2025

Subject: Request for Nominations of Two Master Trainers from each Department for Mission Karmayogi

Dear Colleagues,

Mission Karmayogi is the National Programme for Civil Services Capacity Building (NPCSCB) aimed at enhancing the individual and institutional capacity of government functionaries. The Mission seeks to build competencies, strengthen service delivery, and foster a "citizen-centric" approach through continuous learning on digital platforms such as iGOT (Integrated Government Online Training). The programme is planned to be implemented as a **Training Cascade Model for All Employees wherein:**

1. **Lead Trainers** are trained directly by the central nodal agencies & act as *knowledge anchors*.
2. **Master Trainers** are trained by Lead Trainers and act as *facilitators and multipliers*.
3. **Employees (End Participants)** are trained by Master Trainers in periodic departmental sessions and act as *beneficiaries and implementers*.

Through this layered training structure, employees shall:

- Build competencies relevant to their **roles** rather than just positions.
- Develop a mindset of **seva bhaav, efficiency, innovation, and collaboration**.
- Leverage digital platforms for lifelong learning.
- Ultimately enhance the quality of patient care, research, and administrative efficiency, aligning with the vision of Mission Karmayogi.

The role of Master Trainers is critical as they will be the facilitators of the Rashtriya Karmayogi Programme within AIIMS and beyond, ensuring that the spirit of lifelong learning, efficiency, and seva bhaav are carried forward to all officers and staff. To ensure inclusive participation of all Departments in imparting these trainings at AIIMS, all Departments are requested to nominate at least two faculty members from your department as 'Master Trainers' for the Master Trainer training programmes being conducted under this initiative.

The nominated Master Trainers should possess enthusiasm, service orientation, good communication skills, basic digital literacy (iGOT app navigation), physical fitness, and a commitment to carry forward the one-day Rashtriya Karmayogi Programme for end participants. They are required to bring their laptop & smart phone with them and attend the full 3-day training for Master Trainers at AIIMS New Delhi. The nominations may kindly be sent to AO (Faculty) cell through eOffice latest by Monday, 25th August 2025.

21/8/2025

Prof. M Srinivas
Director

Distribution (with a request to also circulate it to all officials under their control)

1. Dean/s (Academic, Research, Examination)
2. Addl. Director (Admin)
3. Medical Superintendent (AIIMS)
4. Chiefs' of all Centres / Head, NCI Jhajjar
5. Heads' of all Departments
6. Sr. Financial Advisor
7. Prof. I/c Computer Facility (with a request to host the same on AIIMS Website)